CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: U3TR2C **Questions: 18** **Maximum Marks: 51** **Generated: 2026-06-15 13:05**

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता
Year	2022-2026
Questions selected	18

Composition — Types: 12 Short · 4 reading_comprehension · 2 MCQ

Q1. **[2]**

'मनुष्यता' कविता में कवि ने सब को साथ चलने की प्रेरणा क्यों दी है ? इससे समाज को क्या लाभ हो सकता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2022 4/4/1 Q1 (क)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता · 3.3 मनुष्यता की अवधारणा · 3.3.2 परोपकार और करुणा · 3.4 सामाजिक संदेश

Q2. **[3]**

'मनुष्यता' कविता में कवि ने कैसे जीवन को व्यर्थ बताया है, और क्यों ?

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q12 (ख)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता · 3.3 मनुष्यता की अवधारणा · 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण · 3.3.2 परोपकार और करुणा

Q3. **[3]**

'मनुष्यता' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उदार लोगों के प्रति संसार कैसा आचरण करता है ?

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q12 (ग)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता · 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण · 3.3.2 परोपकार और करुणा · 3.4 सामाजिक संदेश

Q4. **[1]**

काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए : 'मनुष्यता' कविता के अनुसार संसार में मनुष्यों की स्थिति में भिन्नता का कारण है –

A भौगोलिक परिस्थितियाँ
B आर्थिक परिस्थितियाँ
C मनुष्य द्वारा किए गए उसके कर्म
D मनुष्य द्वारा प्राप्त किया गया ज्ञान

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q8 (i)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता · 3.3 मनुष्यता की अवधारणा · 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q5. **[1]**

काव्य-खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : 'मनुष्यता' कविता से उद्धृत – "तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे" – पंक्ति का भाव है –

A सामर्थ्य के अनुसार दूसरों की रक्षा करनी चाहिए ।
B मानव जीवन की सार्थकता सबको साथ लेकर चलने में है ।
C अपनी ही उन्नति में संतुष्ट नहीं रहना चाहिए ।
D सामर्थ्य के अनुसार तैरने वाले व्यक्ति की रक्षा करनी चाहिए ।

Previously asked in: 2024 4/2/1 Q8 (i)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Q6. **[2]**

'मनुष्यता' कविता में कवि लोगों से किस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा करता है ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q10 (III)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Q7. **[2]**

पशु प्रवृत्ति मनुष्य द्वारा अपनाने योग्य है अथवा नहीं ? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर कारण सहित उत्तर दीजिए ।

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q10 (II)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Q8. **[2]**

किसी भी देश के विकास के लिए उदार व्यक्तियों की आवश्यकता होती है, कैसे? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए।

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q10 (ii)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा | 3.4 सामाजिक संदेश

Q9. **[2]**

'मनुष्यता' कविता में 'अभीष्ट मार्ग' पर आगे बढ़ते हुए कवि ने किस बात का ध्यान रखने की बात कही है ?

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q10 (ख)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q10. **[7]**

भोजन की बर्बादी से तात्पर्य उस भोजन से है जिसे खाया नहीं जाता और फेंक दिया जाता है। अनेक लोग अधिक मात्रा में भोजन खरीदते हैं और समाप्ति तिथि के बाद खोले बिना ही उसे फेंक दिया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा प्रकाशित आँकड़ों के अनुसार दुनियाभर में हर साल 1-3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है। यह आँकड़ा मानव उपयोग के लिए बनाए गए सभी खाद्य पदार्थों का एक-तिहाई है। दुनिया भर में लगभग एक अरब लोग कुपोषित या भूखे हैं। हम जिस भोजन को बर्बाद करने की प्रवृत्ति रखते हैं उसका केवल एक-चौथाई हिस्सा ही उन्हें ठीक से खिलाने में मदद कर सकता है। हमारे ग्रह पर उभर रही इस बड़ी समस्या का समाधान माँग के साथ खाद्य उत्पादन को संतुलित करना, खाद्य संचयन, भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण प्रणालियों को बेहतर बनाना है। बर्बादी को सीमित करने के लिए अत्यधिक बिक्री को भी कम किया जा सकता है। प्रत्येक व्यक्ति एक योजना के साथ भोजन खरीदे और तैयार करे ताकि कम भोजन बर्बाद हो। खाद्य पुनर्चक्रण सबसे ज्ञात समाधानों में से एक है।

भोजन की बर्बादी पृथ्वी ग्रह पर सबसे बड़ी समस्याओं में से एक रही है जिसमें पृथ्वी को काफी हद तक प्रभावित किया है। इस समस्या को नियंत्रित कर आने वाली पीढ़ियों को भविष्य में होने वाली बड़ी समस्याओं जैसे ग्लोबल वार्मिंग और ग्रीन हाउस गैसों की पहुँच के कारण जलवायु परिवर्तन से बचा सकती है। खाद्य प्रणालियों की दक्षता में वृद्धि और भोजन की बर्बादी में कमी लाने के लिए नवाचार टेक्नोलॉजी व बुनियादी ढाँचे के संसाधनों में निवेश की आवश्यकता है। बर्बाद भोजन को कूड़ा खाद के रूप में इस्तेमाल करके भी पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए :

(i) इस गद्यांश में लेखक की चिंता का विषय है : [1]

(A) वैश्विक स्तर पर बढ़ता प्रदूषण का स्तर
(B) वैश्विक स्तर पर लोगों का कुपोषित होना
(C) विश्व स्तर पर होने वाली भोजन की बर्बादी
(D) विश्व की एक-तिहाई आबादी का भूखे रहना

(ii) मानवीयता के साथ-साथ भोजन की बर्बादी प्रभावित करती है : [1]

(A) पर्यावरण को
(B) जीव-जंतुओं को
(C) अर्थव्यवस्था को
(D) समाज को

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यान से पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए : कथन : भोजन की बर्बादी जलवायु परिवर्तन का भी कारक है। कारण : भूमि पर फेंका गया भोजन तीव्र मात्रा में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करता है। [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) भोजन की बर्बादी पर्यावरण को किस प्रकार क्षति पहुँचाती है ? इसे किस प्रकार कम किया जा सकता है ? [2]

(v) भोजन की बर्बादी से आप क्या समझते हैं और इसके क्या कारण हैं ? [2]

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q2

◆ **3.1 कवि परिचय – मैथिलीशरण गुप्त** | अपठित गद्यांश – भोजन की बर्बादी (Food Wastage)

Q11. **[2]**

'मनुष्यता' कविता के संदर्भ में लिखिए कि पशु-प्रवृत्ति क्या है । पशु-प्रवृत्ति मानव के लिए निंदनीय क्यों है ?

Previously asked in: 2025 4/2/1 Q10 (ख)

◆ **मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता** | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.4 सामाजिक संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q12. **[5]**

> चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,
> विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए ।
> घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,
> अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी ।
> तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे,
> वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों का चयन करके लिखिए :

(i) मनुष्य की वास्तविक सफलता क्या है ? [1]

(A) सिर्फ स्वयं का उत्थान
(B) सिर्फ समाज का उत्थान
(C) स्वयं के साथ समाज का उत्थान
(D) साथ चलने वालों का उत्थान

(ii) इच्छित मार्ग की ओर कैसे बढ़ना चाहिए ? [1]

(A) तेज़ी के साथ
(B) शांति के साथ
(C) खुशी के साथ
(D) गर्व के साथ

(iii) जीवन-पथ पर आगे बढ़ते हुए किस बात का ध्यान रखना चाहिए ? [1]

(A) हर तरह के लोगों के साथ मिल-जुलकर आगे बढ़ना ।
(B) स्वयं से अधिक दूसरों के सामर्थ्य पर भरोसा करना ।
(C) पथ में सिर्फ समान विचारधारा वाले लोगों को साथ लेना ।
(D) भिन्न विचार रखने वालों से दूर रहने का प्रयास करना ।

(iv) 'मानव जीवन की सार्थकता स्वयं के साथ दूसरों को भी आगे बढ़ाने में है' – यह भाव किस पंक्ति में है ? [1]

(A) घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी
(B) अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हो सभी
(C) तभी समर्थ भाव है कि तारता हुए तरे
(D) वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : हर तरह के भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र का विकास करना चाहिए । कारण : सम्मिलित प्रयास से हुआ विकास अस्थाई प्रकृति का होता है । [1]

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।
(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है ।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।
(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q9

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा | 3.4 सामाजिक संदेश

Q13. **[2]**

'विचार लो कि मर्त्य हो, न मृत्यु से डरो कभी' — 'मनुष्यता' कविता से उद्धृत प्रस्तुत पंक्ति का भाव कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2022 4/1/1 Q1 (क)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q14. **[3]**

'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए कि कैसा जीवन जीने वाले लोग मरकर अमर हो जाते हैं ।

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q12 (ख)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा | 3.4 सामाजिक संदेश

Q15. **[5]**

> उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
> उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती ।
> उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती;
> तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती ।
> अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,
> वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) पद्यांश के अनुसार उदार किसे माना गया है ? [1]

(A) सभ्य व्यक्ति
(B) परोपकारी व्यक्ति
(C) प्रसिद्ध व्यक्ति
(D) मिलनसार व्यक्ति

(ii) देवी सरस्वती किसका गुणगान करती है ? [1]

(A) संगीत का
(B) गायकों का
(C) सहृदयी का
(D) ज्ञानी का

(iii) उदार के प्रति धरती का भाव है : [1]

(A) संवेदनशीलता
(B) प्रेम
(C) मित्रता
(D) कृतज्ञता

(iv) रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए : सब जगह अपने लिए न जीकर दूसरों के लिए जीने वालों की _____ गूँजती है । [1]

(A) चहलपहल
(B) कीर्ति
(C) रौनक
(D) अखंडता

(v) "अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे" — पंक्ति का भाव है : [1]

(A) वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का प्रसार करना
(B) आध्यात्मिक विचारों को विश्व में प्रसारित करना
(C) परमात्मा की अखंडता का उल्लेख करना
(D) आत्मा को परमात्मा का अंश बताना

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q7

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा | 3.4 सामाजिक संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q16. **[5]**

> विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
> मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी ।
> हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
> मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए ।
> वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
> वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) कवि ने ऐसा क्यों कहा कि मृत्यु से नहीं डरना चाहिए ? [1]

(A) मृत्यु से यश प्राप्त होता है
(B) जन्म-मरण ईश्वर के हाथ में है
(C) मृत्यु के बाद नया शरीर मिलता है
(D) मृत्यु तो अवश्यंभावी है

(ii) कवि कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहता है ? [1]

(A) बिना किसी पीड़ा के हुई मृत्यु
(B) अपनों के हित प्राप्त होने वाली मृत्यु
(C) महान उद्देश्य के लिए मरने वाले की मृत्यु
(D) स्वार्थ सिद्ध करते समय हुई मृत्यु

(iii) कैसी मृत्यु व्यर्थ है ? [1]

(A) देश हित प्राप्त होने वाली मृत्यु
(B) जिस मृत्यु को याद न किया जाए
(C) दूसरों के लिए संघर्ष करते हुए प्राप्त मृत्यु
(D) मृत्यु के बाद जो हमेशा याद रहे

(iv) पशु प्रवृत्ति क्या है ? [1]

(A) अपने लिए जीना-खाना
(B) दूसरों के लिए जीना-खाना
(C) परोपकार का भाव रखना
(D) दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँचाना

(v) कौन-सा/से वाक्य पद्यांश से मेल खाता है/खाते हैं ? I. उदार मनुष्य दूसरों के लिए जीता-मरता है । II. पशु प्रवृत्ति को समझ के साथ अपनाना चाहिए । III. मनुष्य जीवन की सार्थकता परोपकार में है । IV. जीवन में कुछ पाने के लिए स्वार्थी होना पड़ता है । [1]

(A) केवल I
(B) II, IV
(C) I, III
(D) II, III

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q7

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा | 3.4 सामाजिक संदेश

Q17. **[2]**

'मनुष्यता' कविता में कवि ने गर्वरहित जीवन जीने की सलाह क्यों दी है ?

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q10 (i)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.4 सामाजिक संदेश | अहंकार-मुक्ति और विनम्रता

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q18. **[2]**

'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए कि 'अखंड आत्म भाव' रखने के क्या लाभ हैं ?

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q10 (i)

◆ मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता | 3.3 मनुष्यता की अवधारणा | 3.3.1 सच्चे मनुष्य के गुण | 3.3.2 परोपकार और करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories